मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 98, मुंबई, मंगलवार, 17 मई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
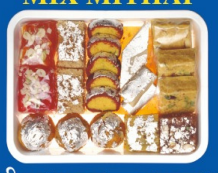
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

पुणे पुलिस पर गंभीर आरोप

रेड के दौरान हुक्का पार्लर और बार में की तोड़फोड़

ग्राहकों और महिलाओं से की मारपीट

पुणे। पुणे में देर रात पुलिस की सामाजिक सुरक्षा विभाग की टीम ने 4 हुक्का पार्लर और बार पर छापा मारा। आरोप है कि इस दौरान बार में बैठे ग्राहकों से मारपीट भी की गई है। छापेमारी की यह कार्रवाई पुणे के कमिश्नर अमिताभ गुप्ता के कहने पर हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पुलिस पर रिश्वतखोरी का संदेहः पुलिस पर यह भी आरोप लग रहे हैं कि आखिर कैसे देर रात तक चलने वाले हुक्का पार्लर, बार और होटल्स की जानकारी पुलिस को नहीं मिलती है, जबकि क्राइम ब्रांच की टीम को यह जानकारिया आसानी से प्राप्त हो रही है। आरोप यह भी लग रहा है कि आर्थिक फायदे के लिए कहीं पुलिस इन मामलों की अनदेखी तो नहीं कर रहा है।

एनसीपी चीफ पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

एक्ट्रेस केतकी चितले को लेकर घर पहुंची मुंबई पुलिस की टीम

लैपटॉप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ शरद पवार के खिलाफ सोशल मीडिया में अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में दो दिन पहले गिरफ्तार मराठी एक्ट्रेस केतकी चितले के नवी मुंबई स्थित घर पर ठाणे पुलिस की टीम ने छापा मारा है। एक्ट्रेस के घर से उनका फोन, लैपटॉप और हार्डडिस्क भी जब्त किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एक्ट्रेस की इस पोस्ट को लेकर जमकर हंगामा हुआ और उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई और उनके खिलाफ मानहानि, लोगों में द्वेष फैलाने समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हुआ

सुप्रिया सुले बोलीं–किसी के पिता के मरने की कामना करना गलत

इस मामले में शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने केतकी की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी तरफ से किया गया इस तरह का पोस्ट काफी दुर्भाग्यपूर्ण है और यह पूरी तरह से सोशल मीडिया का दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कानून अपना काम करेगा। सुप्रिया सुले ने कहा कि मेरा मध्यमवर्गीय मराठी मूल्यों के साथ पालन पोषण हुआ है और यह मेरी संस्कृति नहीं है कि मैं किसी के माता–पिता के मरने की कामना करूं। किसी के पिता की मृत्यु या किसी व्यक्ति की मौत के बारे में बोलना किसी भी तरह से संस्कृति में फिट नहीं बैठता।

मुंबईः निर्माणाधीन इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

संवाददाता / मुंबई। दक्षिण मुंबई में सोमवार को दोपहर में एक निर्माणाधीन इमारत में आग लग गई। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

धारावी में विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

घर में घुसकर की थी वारदात

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई की धारावी बस्ती में 19 वर्षीय विवाहित महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों बदमाशों ने गत दिवस अल सुबह महिला के घर में घुसकर चाकू की नोंक पर उसके साथ दुष्कर्म किया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चांद पर पौधे

अगली बार जब इंसान चांद पर कदम रखेंगे, तब वह चांद की जमीन पर पौधे उगाने में सक्षम होंगे। यह ऐतिहासिक प्रयोग के परिणामों में से एक है, जिसमें वैज्ञानिकों को चांद से लाई गई मिट्टी में पौधे उगाने में कामयाबी मिली है। वैज्ञानिकों ने पौधों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए चंद्र सतह-सामग्री के नमूनों का उपयोग किया है। लगभग आधी सदी पहले तीन अलग-अलग अंतरिक्ष अभियानों के तहत चांद से मिट्टी लाई गई थी और प्रयोग यह जानने के लिए किया गया कि क्या मिट्टी उपजाऊ है। सरसों साग जैसे पौधों के बीज इस मिट्टी में लगाए गए। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के स्टीफन एलार्डो ने बताया कि चांद की मिट्टी में पौधों के लिए पूरे आवश्यक पोषक तत्व नहीं होते हैं। शुरू में पौधे ऐसे अंकुरित हुए कि वैज्ञानिकों को चिंता होने लगी। उन्होंने पौधों को यथोचित प्रकाश, पानी और पोषक तत्व देना शुरू किया, तब पौधे लहलहाकर बढ़े। बहुत छोटी परखनलियों में ये पौधे उगाए गए, इसलिए इनके बहुत बड़े होने की गुंजाइश नहीं है, लेकिन यह साफ हो गया कि अगर चांद की मिट्टी को उचित मात्रा में पानी व पोषक तत्व मिले, तो वहां पौधे का उगाना संभव है। इस शोध का प्रकाशन जर्नल कम्युनिकेशंस बायोलॉजी में हुआ है, जिसे स्टीफन एलार्डो के साथ अन्ना-लिसा पॉल और रॉबर्ट फेरल ने लिखा है। वैज्ञानिकों को मिली ताजा कामयाबी भावी अंतरिक्ष यात्रियों का उत्साहवर्द्धन कर रही है। कुछ वैज्ञानिक सोच रहे हैं कि अगर चांद पर कुछ दिन रहना पड़े, तो सलाद वाले पौधों की खेती संभव है। अंतरिक्ष यात्री अपने साथ कुछ पानी ले ही जाते हैं, अब साथ में कुछ पोषक तत्व भी ले जाने पड़ेंगे। यह शोध इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इंसान फिर चांद पर जाने के लिए लालायित हैं। तत्काल लौटने के बजाय वहां कुछ दिन रुकने की योजनाएं बन रही हैं। सब कुछ ठीक रहा और रूस-यूक्रेन युद्ध ज्यादा नहीं भड़का, तो चंद्रमा अगले वर्ष सौर मंडल में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक होगा। सात से अधिक देश चांद पर जाने के लिए प्रयासरत हैं। इनमें भारत, जापान, रूस, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। नासा का 93 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्टेमिस कार्यक्रम इस साल अपने पहले लॉन्च के साथ छा जाएगा, चांद पर इंसान फिर टहलता नजर आएगा। सब कुछ ठीक रहा, तो अगला साल चांद अन्वेषण का स्वर्णकाल होगा। निजी कंपनियों ने भी जो उत्साह दिखाया है, उससे यह केवल विज्ञान से जुड़ा विषय नहीं रह गया है, यह अब व्यापार से जुड़ा विषय भी है। लोगों के पास पैसा बढ़ रहा है, इच्छाएं बढ़ रही हैं। ऐसे लोग हैं, जो किसी कीमत पर चांद पर कदम रखना चाहेंगे। निजी कंपनियों की कोशिश है कि अंतरिक्ष विज्ञान को ऐसे विकसित किया जाए कि चांद पर जाना आसान व किफायती भी हो जाए। चांद को लेकर रूस की भी योजना है, लेकिन क्या वह निकट भविष्य में अपने अभियान को साकार कर पाएगा? बहरहाल, भारत को चंद्रयान-3 पर पूरा फोकस करना चाहिए। पिछला अभियान आखिरी वक्त में चांद के करीब पहुंचकर नाकाम हुआ था। अगला अभियान भले ही 1 अगस्त को न लॉन्च हो सके, लेकिन जब भी लॉन्च हो, कामयाबी मिलनी चाहिए। अब चूक की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। जब हम चंद्र सतह पर अपने लैंडर और रोवर को सफलतापूर्वक उतारने लगेंगे, तभी कोई भारतीय चांद पर कदम रखने केलिए रवाना होगा।

खाद्य सुरक्षा बनाम किसान का हित

इसलिए किसी भी सीजन में फसल खराब हो सकती है। तो क्या सरकार हर सीजन के मुताबिक निर्यात नीति बनाएगी? सो, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में एक निश्चित निर्यात नीति हो, खाद्यान्न सुरक्षा की निश्चित नीति हो और किसानों के हितों की रक्षा करने की भी निश्चित नीति हो और इन तीनों में सामंजस्य हो।

केंद्र सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाई तो खाद्य सुरक्षा बनाम किसान के हित की सनातन बहस फिर छिड़ गई। निर्यात पर पाबंदी का फैसला देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से किया गया एक अच्छा फैसला है लेकिन क्या यह फैसला किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला है? कांग्रेस पार्टी ने यही कहते हुए फैसले का विरोध किया कि बढ़ते निर्यात का फायदा किसानों को हो रहा था लेकिन इस सरकार से यह देखा नहीं गया। कांग्रेस और कुछ अन्य कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि निर्यात बढ़ने से निजी कारोबारी न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा कीमत पर गेहूं खरीद रहे थे और इसका फायदा किसानों को हो रहा था। दूसरी ओर सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्विट करके कहा है कि भारत में गेहूं का स्टॉक भरपूर है लेकिन भारत की खाद्य सुरक्षा और सस्ते अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बाजार की अटकलों से निपटने के लिए सरकार ने निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया। कई कृषि विशेषज्ञ सरकार के इस तर्क का समर्थन कर रहे हैं।

तभी सवाल है कि क्या देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों का हित अनिवार्य रूप से एक-दूसरे के विरोधी हैं? क्या देश के नागरिकों को सस्ता खाद्यान्न उपलब्ध कराने की नीति की वजह से किसानों को उनकी पैदावार का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है? क्या किसानों का हित सुनिश्चित करते हुए सरकार खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती है? इन सवालों का जवाब बहुत सरल नहीं है। अगर सिर्फ तात्कालिक मामले को देखें तो कह सकते हैं कि सरकार ने खाद्यान्न सुरक्षा के लिहाज से निर्यात रोकने का अच्छा फैसला किया है। लेकिन सरकार चाहे तो किसानों को उनकी उपज की तय कीमत के ऊपर ज्यादा कीमत देकर उनके नुकसान की भरपाई कर सकती है। मिसाल के तौर पर सरकार अगर 2,015 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद रही है तो प्रति क्विंटल एक निश्चित बोनस घोषित कर दे, जिससे किसानों के हित की भी रक्षा हो जाएगी। ध्यान रहे मंडियों में निजी कारोबारी किसानों का अनाज एमएसपी के ऊपर कोई सौ-दो सौ रुपए ज्यादा देकर नहीं खरीद रहे हैं। निजी कारोबारी प्रति क्विंटल पांच से 15 रुपए तक ज्यादा भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में अगर सरकार दो सौ रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे तो किसानों को बड़ा लाभ होगा। सरकार ने अभी इस तरह का एक फैसला किया है। किसानों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा में 18 फीसदी तक सिकुड़ गए गेहूं की खरीद की मंजूरी दे दी है। ध्यान रहे मार्च-अप्रैल में अचानक गर्मी में हुई बढ़ोतरी से पंजाब और हरियाणा दोनों जगह गेहूं के दाने 15 से 20 फीसदी तक सिकुड़ गए। इनकी खरीद नहीं होने से किसान परेशान हो रहे थे। क्वालिटी खराब होने के बावजूद अगर सरकार गेहूं की खरीद करती है और गर्मी की वजह से फसल को हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा करती है तभी किसानों के हितों की रक्षा होगी।

अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो इसका मतलब होगा कि वह वोट की राजनीति के लिहाज से जरूरी खाद्यान्न सुरक्षा नीति पर ज्यादा ध्यान दे रही है और किसानों की अनदेखी कर रही है। ध्यान रहे सरकार इस समय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को पांच किलो अनाज और एक किलो दाल मुफ्त दे रही है। इस योजना को सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इसे 2024 के लोकसभा चुनाव तक चलाए रखना है। उसके लिए जरूरी है कि सरकारी अनाज गोदाम भरे रहें। निर्यात पर पाबंदी लगाने का पहला कारण तो यहीं है कि सरकार को मुफ्त अनाज योजना के लिए पर्याप्त गेहूं की जरूरत है। पैदावार 11 करोड़ टन के अनुमान से कम होने और सरकारी खरीद में 44 फीसदी की गिरावट आने के बाद सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि वह निर्यात रोके। अन्यथा खुदरा बाजार में गेहूं और आटे की कीमत बेतहाशा बढ़ रही थी और सरकार को मुफ्त बांटने के लिए अनाज की उपलब्धता कम होने की चिंता सता रही थी। सो, उसने आनन-फानन में निर्यात रूकवा दिया। अच्छी बात है कि सरकार अपनी अनाज योजना को जारी रखे लेकिन साथ ही किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करने के उपाय भी निश्चित रूप से करना चाहिए। वह उपाय दो तरह से हो सकता है। पहला तो यह कि सरकार किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दे। उनकी उपज पर प्रति क्विंटल बोनस निश्चित करे। दूसरा तरीका यह है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अनाज की बजाय सरकार नकद पैसा मुहैया कराए। जन वितरण प्रणाली के तहत पहले से जो सस्ता अनाज मिलता रहा है उससे ऊपर जो अनाज दिया जाता है उसके बदले अगर सरकार पैसा देती है तो लोग अपनी पसंद से खाने की चीजें खरीद सकते हैं। ध्यान रहे गेहूं की पैदावार कम होने से इसकी महंगाई बढ़ी है लेकिन दूसरे कई अनाज ऐसे हैं, जिनकी कीमत नहीं बढ़ी है। उस पैसे लोग दूसरे अनाज, दालें, दूध, अंडे आदि खरीद सकते हैं। इससे गेहूं और चावल पर से दबाव कम होगा। फिर निर्यात पर पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं होगी। किसान खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज बेच सकेंगे।

बहरहाल, चाहे जिस तरीके से हो लेकिन सरकार को खाद्यान्न सुरक्षा और किसान के हित के बीच संतुलन बनाना होगा। सीधे निर्यात रोक देना कोई समाधान नहीं है। इस तरह के फैसलों से सरकार की नीतियों और उसकी सोच को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सोचें, 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, डब्लुटीओ मंजूरी दे तो भारत दुनिया का पेट भरने के लिए कल से निर्यात शुरू कर सकता है। उन्होंने दुनिया का पेट भरने वाली बात मई के पहले हफ्ते में हुई यूरोप की तीन दिन की यात्रा के दौरान भी दोहराई। लेकिन 13 मई को अचानक उनकी सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी। वह भी ऐसे समय में जब गेहूं का सबसे बड़ा निर्यातक देश रूस युद्ध में उलझा है और यूक्रेन भी निर्यात नहीं कर पा रहा है। इस तरह के फैसले से सरकार की अगंभीरता झलकती है। जी-7 देशों के कृषि मंत्रियों ने इसके लिए सरकार की आलोचना भी की है और कहा है कि अगर सारे देश इसी तरह निर्यात रोकने का फैसला करने लगें तो पहले से चल रहा संकट और गहरा होगा। सो, सरकार निर्यात रोकने की बजाय गेहूं का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर सकती थी। इस तरह के और भी उपाय सोचे जा सकते थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की किरकिरी नहीं होती और घरेलू स्तर पर भी सामंजस्य बनता। नीतियों में अगर इसी तरह की एप्रोच रही तो आने वाले सीजन से निजी कारोबारी किसानों को एमएसपी के ऊपर ज्यादा मूल्य देकर फसल नहीं खरीदेंगे। वे सावधानी बरतेंगे, जिसका नुकसान किसानों को उठाना होगा। यह स्थिति हर फसल के मामले में हो सकती है क्योंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है और सबको पता है कि भारत में खेती मॉनसून पर ही निर्भर है। इसलिए किसी भी सीजन में फसल खराब हो सकती है। तो क्या सरकार हर सीजन के मुताबिक निर्यात नीति बनाएगी? सो, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में एक निश्चित निर्यात नीति हो, खाद्यान्न सुरक्षा की निश्चित नीति हो और किसानों के हितों की रक्षा करने की भी निश्चित नीति हो और इन तीनों में सामंजस्य हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा सड़क के बीचो बीच कचरा विभाग द्वारा बेस्तीदा चर्च मित्तल कंपाउंड के बाहर किया जा रहा है कचरा डंपिंग

कचरा विभाग द्वारा किया जा रहा है आईपीसी कानूनों का उल्लंघन, कचरा डंपिंग जल्द बंद नहीं किया गया तो एमआईएम कभी भी कर सकती है भूख हड़तालः सैफ पठान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में जबरदस्त विपक्ष की भूमिका एमआईएम द्वारा निभाई जा रही है चाहे वह मित्तल ग्राउंड सड़क का मामला हो सरकारी अस्पताल, टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी, खूनी बाईपास, सरकारी स्कूल,कब्रिस्तान, स्लाटर हाउस, हज हाउस, गर्ल्स हॉस्टल, गार्डन, प्ले ग्राउंड, वाटर रिमोल्डिंग, हॉकर्स जोन, एस्केलेटर लिफ्ट, इस तरह की शहर विकास के मुद्दों को लेकर हमेशा विपक्ष सक्रिय रहा है सत्ताधारी पार्टी को चारों तरफ से घेरकर सवाल जवाब के कटघरे में हमेशा खड़ा कर दिया है अभी हाल ही में बेस्तीदा चर्च मित्तल कंपाउंड में कचरा विभाग द्वारा मुंब्रा शहर के बीचो बीच सड़क पर कचरा डंपिंग का काम थाने मनपा प्रशासन की कचरा विभाग द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है इसको लेकर एमआईएम के कलवा मुंब्रा की अध्यक्ष सैफ पठान और एमआईएम की ट्रेजर जावेद सिद्दीकी द्वारा लगातार आवाज उठाई जा रही है आपको बता दें एमआईएम द्वारा दिनांक 30/3/22 को थाने मनपा प्रशासन को पत्र दिया गया था और उसमें लिखा गया था कि कचरा विभाग द्वारा मुंब्रा शहर के बीचोबीच कचरा डंपिंग का काम किया जा रहा है उसको तुरंत बंद किया जाए उन्होंने बताया यह गंदगी से शहर में बीमारी फैल रही है जबकि सफाई को लेकर कई आईपीसी कानून बनाए गए हैं कहीं ना कहीं कचरा विभाग द्वारा आईपीसी के कानूनों का मजाक बनाया जा रहा है या यूं कहें धज्जियां उड़ाई जा रही है तो भी गलत नहीं होगा क्योंकि कचरा डंपिंग शहर के बीचो-बीच नहीं किया जा सकता उसके लिए बताया गया है शहर से दूर कचरा डंपिंग कचरा विभाग द्वारा करना चाहिए इसीलिए उन्होंने मनपा प्रशासन से गुहार लगाई है कहीं और कचरा डंपिंग किया जाए अगर थाने मनपा प्रशासन कचरा डंपिंग बंद करने का काम नहीं करती है तो वह भूख हड़ताल करेंगे दिनांक 1/4/22 को मनपा प्रशासन द्वारा जवाब दिया गया है कि आपके द्वारा दिए गए पत्र पर हम जल्दी इसका विकल्प निकालेंगे और कचरा डंपिंग मित्तल कंपाउंड के सड़क पर बंद कर दी जाएगी फिलहाल मनपा प्रशासन के पास कचरा डंपिंग के लिए कोई जगह नहीं है लेकिन हम लोग कंटेनर मैं कचरा भर कर कहीं और कचरे को डम करने की जगह बनाएंगे यह आश्वासन मनपा उपायुक्त मनीष जोशी द्वारा दिया गया था लेकिन आज काफी वक्त हो गया है उनके द्वारा दिए गए आश्वासन पर अब तक कचरा विभाग द्वारा अमल करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं उन्होंने वकील के माध्यम से नोटिस अर्बन डेवलपमेंट थाने मनपा आयुक्त, मनपा उपायुक्त, मुंब्रा प्रभाग समिति, मुंब्रा पुलिस स्टेशन, में नोटिस भिजवाया है अगर कचरा डंपिंग बंद नहीं की गई तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे एमआईएम के सैफ पठान ने सत्ताधारी पार्टी पर और उनके तमाम नगर सेवकों को नाकारा तक कह दिया यह उनके निकम्मे पन का सबूत है जो आज मुंब्रा पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है कलवा मैं कचरा डंपिंग बीच सड़क पर क्यों नहीं किया जाता आखिर कलवा और मुंब्रा का विधायक एक ही हैना उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की नाकामी बताई है और हाल ही में एनसीपी द्वारा किया गया महंगाई पर विरोध प्रदर्शन पर बोले यह एंटी ड्रामा एनसीपी अपना नाकामी छुपाने के लिए और जनता को गुमराह करने के लिए किया जा रहा है जबकि राज्य में एनसीपी की सरकार होते हुए भी इन लोगों को धरना प्रदर्शन करने की क्या आवश्यकता है यह काम तो विपक्ष का है कहीं ऐसा तो नहीं एनसीपी समझ गई है कि इस बार मुंब्रा से सफाया होने वाला है और उनको विपक्ष में बैठना है तो इसी की शुरूआत तो कहीं नहीं कर दी उन्होंने जो काम सत्ताधारी पार्टी को करना चाहिए वह नहीं करते हुए इस तरह के ड्रामेबाजी सिर्फ जनता को गुमराह करने के लिए और आने वाले आगामी मनपा चुनाव में वोट बटोरने के लिए षड्यंत्र किया जा रहा है तो उन्होंने जनता से अनुरोध किया है कि आने वाले आगामी मनपा चुनाव में अपना वोट सोच समझ कर दें नहीं तो इससे बुरे हालात मुंब्रा शहर के हो जाएंगे।

संजय राउत ने फडणवीस को एक 'नाकाम' नेता बताया

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के 'नाकाम' नेता के लिए ढलान पर उतर रही गाड़ी में ब्रेक लगाना मुश्किल है और ऐसे में दुर्घटना होना अपरिहार्य है। फडणवीस ने एक दिन पहले रविवार को महा विकास अघाडी (एमवीए) सरकार की तुलना बाबरी मस्जिद ढांचे से करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा था कि वह तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, जब तक शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटा नहीं देते। फडणवीस ने यह भी कहा था कि शिवसेना का मतलब मुंबई, महाराष्ट्र या हिंदुत्व नहीं है और कोई भी मुंबई को महाराष्ट्र से अलग नहीं कर सकता, लेकिन वह शहर को 'भ्रष्टाचार और गलत कृत्यों' से मुक्त करना चाहते हैं। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता राउत ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, विपक्ष के 'नाकाम' नेता के लिए ढलान पर उतर रही गाड़ी में ब्रेक लगाना मुश्किल है। ऐसे में दुर्घटना होना अपरिहार्य है। वहीं, शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एवं पार्टी प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को अपनी रैली में जब महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया तो फडणवीस ने इसे 'हास्य कार्यक्रम' बताया। उन्होंने सवाल किया, क्या यह आपका हिंदुत्व है?

'मातृ दिवस' की तरह 'पत्नी दिवस' भी मनाया जाना चाहिए : आठवले

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने 'मातृ दिवस' की तरह 'पत्नी दिवस' भी मनाये जाने की रविवार को मांग की। महाराष्ट्र के सांगली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, एक मां जन्म देती है, जबकि एक पत्नी अच्छे और बुरे समय में अपने पति के साथ खड़ी रहती है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने कहा, हर सफल पुरुष के पीछे एक महिला होती है। हमें पत्नी दिवस मनाना चाहिए। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पुणे पुलिस पर गंभीर आरोप

इस छापेमारी के बाद पुलिस ने 'द वाटर बार', 'द हाउस अफेयर', 'रुफटॉप विलेज' और 'अजांत जैक्स होटलों' पर महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 33 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में अभी तक तीन लोगो को हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि पुणे के मुंडवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश खुराने और उनकी टीम ने आधीरात को हुई इस कार्रवाई के दौरान महिलाओं और होटल्स के कर्मचारियों संग मारपीट और तोड़फोड़ की है। यह मारपीट होटल में लगे सीसीटीवी कमरे में कैद हुई है। इस घटना के बाद पीड़ितों की ओर से पुलिस निरीक्षक के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग हो रही है।

एनसीपी चीफ पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

इसके अलावा पुलिस ने कुछ कागजात भी बरामद किए हैं। छापेमारी की इस कार्रवाई के दौरान केतकी भी पुलिस टीम के साथ थीं। नवी मुंबई के कलंबोली के एवलॉन अपार्टमेंट में हुई इस छापेमारी की कार्रवाई के बाद बरामद सामान को जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। पुलिस को केतकी ने बताया है कि उन्होंने अपने पर्सनल लैपटॉप से ही सोशल मीडिया में पोस्ट लिखा था, इसलिए यह सबसे अहम सबूत साबित हो सकता है। एक्ट्रेस के खिलाफ पांच जिलों में कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं और वह 18 मई तक पुलिस हिरासत में हैं। केतकी चितले की जिस पोस्ट को लेकर हंगामा हुआ उसमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार का नाम नहीं था। इस पोस्ट में उनका उपनाम पवार और 80 साल की उम्र का जिक्र किया गया था. पोस्ट में केतकी ने लिखा था कि 'नरक आपका इंतजार कर रहा है और तुम ब्राह्मणों से नफरत करते हो।' एक्ट्रेस की इस पोस्ट को लेकर जमकर हंगामा हुआ और उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई और उनके खिलाफ मानहानि, लोगों में द्वेष फैलाने समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हुआ। शनिवार को हिरासत में लिए जाने के दौरान केतकी पर हमला भी हुआ था। एनसीपी के कार्याकताओं ने पहले उनपर स्याही और फिर अंडे फेंक विरोध दर्ज करवाया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वप्निल नेटके की शिकायत के आधार पर शनिवार को ठाणे के कलवा पुलिस थाने में चितले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

धारावी में विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने वारदात के वक्त नकाब पहने रखे थे, ताकि पहचान न हो। आरोपियों ने महिला का वीडियो भी बनाया था। वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज व अन्य सूत्रों से पड़ताल शुरू कर दी थी। आखिरकार दोनों दरिंदे धरा गए।

मुंबईः निर्माणाधीन इमारत में लगी आग

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारी ने बताया कि यहां काला घोड़ा इलाके में एस्प्लांडे हाउस के सामने स्थित निर्माणधीन इमारत के भूतल पर आग दोपहर एक बजे लगी। उन्होंने बताया कि यातायात नियंत्रण कक्ष द्वारा दमकल विभाग को आग की सूचना दिये जाने पर चार दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया, आग में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।

मुंबई के कारोबारी के खिलाफ दर्ज मामले की दोबारा जांच की मांग

मुंबई। मुंबई पुलिस के एक इंस्पेक्टर ने पुलिस के काम में कथित तौर पर बाधा डालने के आरोप में कारोबारी जितेंद्र नवलानी के खिलाफ दर्ज एक मामले की दोबारा जांच कराने की मांग को लेकर शहर के पुलिस आयुक्त का रुख किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण मुंबई स्थित एक रेस्तरां के मालिक नवलानी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के नामों का इस्तेमाल कर विभिन्न निजी कंपनियों से 58.96 करोड़ रुपये लेने का भी आरोप है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पिछले सप्ताह नवलानी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था। अधिकारी के मुताबिक, इंस्पेक्टर अनूप डांगे ने पिछले सप्ताह मुंबई पुलिस आयुक्त को सौंपी 31 पृष्ठों की शिकायत में कहा कि गामदेवी पुलिस ने नवंबर 2019 में अधिकारियों को अपनी ड्यूटी करने से रोकने के आरोप में नवलानी के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की थी, लेकिन बीते महीने बंबई उच्च न्यायालय ने इसे रद्द कर दिया।

भयंकर गर्मी में पानी ना मिलने की वजह से मर जाते हैं पक्षी: सुभाष मानव

पक्षियों के लिये पानी पीने के लिए पेड़ों पर लटकाए मिट्टी के बर्तन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। इस बार समय से पहले और पहले से ज्यादा गर्मी पड़ रही है, इस भयंकर गर्मी में पानी ना मिलने की वजह से अनेकों पक्षी मर जाते हैं। जानकारी देते हुए संस्था के सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि मनुष्य द्वारा भारी मात्रा में पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिसके कारण पक्षी इस भयंकर गर्मी से बचने के लिए दूरदराज के जंगलों में चले गए हैं। मनुष्य द्वारा की जा रही पेड़ों की कटाई के कारण पहले ही पक्षियों की कई जातियां खत्म होने की कगार पर हैं। मानव सेवा समिति के सेवादारों द्वारा इस बात की गंभीरता को देखते हुए पक्षियों को गर्मी में पानी पिलाने के मकसद से आज नई आनाज मंडी अबोहर में पेड़ों पर 40 मिट्टी के बर्तन लटकाए गए और उनमें पानी डाला गया है, इसके अलावा आनंदम के संचालक स्वामी आलोक जी के सम्बोधि दिवस के समर्पण में सड़क किनारे शहतूत का पौधा लगा कर ट्री गार्ड फिट किया गया है।सेवा में संस्था के सेवादारों डा. विजय ग्रोवर, महिंदर कुमार, विजय कुमार तुंगरिया, रविंदर शर्मा, शुशांत शर्मा, दविंदर सिंह रावत, दीकप कम्बोज, अमीर कम्बोज, नीतिन कम्बोज, जगदीप सिंह, जसपाल सिंह, महावीर प्रसाद, राम कुमार, जतिंदर सोनी, सुभाष चंद्र, सुभाष मानव और संजय मानव ने भाग लिया। मार्किट कमेटी, अबोहर के कर्मचारियों जसपाल सिंह, राधे श्याम और दविंदर सिंह का हार्दिक धन्यवाद किया जाता है, जिन्होंने इस सेवा के लिए आर्थिक सहयोग दिया। संस्था द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि पौधे लगाएं और इनकी देखभाल करें तथा अपने घर व आसपास के ऐरिया में पक्षियों के पानी पीने के लिए बर्तन भरकर रखें।

दिव्यांग बच्चे को विमान पर चढ़ने से रोकने के मामले में डीजीसीए बोला– इंडिगो के कर्मचारी यात्रियों से सही ढंग से पेश नहीं आए

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन के कर्मचारियों की तरफ से पिछले हफ्ते एक दिव्यांग बच्चे को रांची हवाईअड्डे पर विमान में चढ़ने से रोकने के मामले में डीजीसीए का बयान आया है। विमानन नियामक ने कहा है कि प्रथम दृष्टया इंडिगो को नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। एयरलाइन को मामले में कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। डीजीसीए के मुताबिक, समिति की जांच के निष्कर्ष के अनुसार, इंडिगो के कर्मचारी यात्रियों के साथ सही तरीके से पेश नहीं आए और इस तरह उन्होंने लागू नियमों के अनुरूप काम नहीं किया। डीजीसीए ने कहा कि इसके मद्देनजर उसके अधिकृत प्रतिनिधि के जरिए विमानन कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का फैसला किया गया है, जिसमें उसे बताना होगा कि नियमों के अनुरूप काम नहीं करने पर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

सभी पक्षों को मिलेगा सुनवाई का मौका: डीजीसीए

विमानन नियामक ने कहा, सभी पक्षों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विमानन कंपनी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया है और इसके अलावा उसे आज से यानी 26 मई, 2022 से अगले 10 दिन के अंदर लिखित अभ्यावेदन भी देना होगा। उसके अभ्यावेदन को सुनने के बाद कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इंडिगो ने बच्चे को विमान में सफर की अनुमति न देने को लेकर कहा था कि वह

यात्रा करने से घबरा रहा था। इस घटना की जांच डीजीसीए ने की। केंद्रीय नागर उड्डयन एवं विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस पर ट्वीट भी किया और कहा कि पूरी जांच उनकी निगरानी में ही होगी। सिंधिया के सख्त तेवर के बाद एयरलाइन ने इस मामले में माफी मांगी थी।

मामले पर क्या बोले थे सिंधिया?

सिंधिया ने सोमवार सुबह कहा, इस तरह के बर्ताव हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। किसी भी व्यक्ति को इस तरह के हालात से नहीं गुजरना चाहिए। मैं इस मामले की जांच खुद कर रहा हूं, जिसके बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने विशेष रूप से विकलांग बच्चे को बोर्डिंग फ्लाइट से रोकने के लिए इंडिगो के खिलाफ एफआईआर की मांग की है।

क्या था इंडिगो के सीईओ का बयान?: इसके बाद इंडिगो के सीईओ ने एक बयान जारी कर कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण अनुभव के लिए हम प्रभावित परिवार के प्रति गंभीर खेद व्यक्त करते हैं। घटना के बारे में पूछे जाने पर इंडिगो ने कहा कि विकलांग बच्चा सात मई को अपने परिवार के साथ उड़ान में नहीं जा सका क्योंकि वह घबरा रहा था। ग्राउंड स्टाफ ने आखिरी मिनट तक उनके शांत होने का इंतजार किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

असम में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात, सात जिलों में करीब 57,000 लोग प्रभावित

मुंबई हलचल / संवाददाता

गुवाहाटी। असम में लगातार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार बाढ़ से राज्य के सात जिलों में लगभग 57,000 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 15 राजस्व मंडलों के लगभग 222 गांव इसकी चपेट में हैं। पर्वतीय जिले डिमा हसाउ के हाफलोंग इलाके में भूस्खलन में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। लगभग 10,321.44 हेक्टेयर खेती की भूमि बाढ़ के पानी में डूब गई है। वहीं, कछार जिले में हालात काफी खराब हैं। अचानक आई बाढ़ के कारण यहां 41,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएम) के मुताबिक जिले के 138 गांवों के 41,037 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1,685 लोगों ने राहत शिविरों में शरण लिया है। इस बीच, नगांव जिले में कोपिली नदी का जल स्तर बढ़ने से कई

अन्य इलाके भी जलमग्न हो गए हैं।

119 यात्रियों को किया एयर लिफ्ट

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि लामडिंग डिवीजन के लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में कई स्थानों पर लगातार बारिश, भूस्खलन और जलभराव के चलते ट्रेन सेवाओं में बदलाव किया गया। एनएफ रेलवे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने बताया कि एयर लिफ्ट करने के अलावा डिटोकचेरा से दो ग्रुप में 1,245 और 250 यात्रियों को ट्रेन के जरिये निकाला गया है। इसके अलावा 373 यात्रियों को न्यू हाफलांग से निकाला गया है। वहीं, बचे 345 यात्रियों को सोमवार को निकाला गया।

डिमा हसाउ में बाढ़ के कारण रेल पटरियां बहीं

लगातार बारिश की वजह से लखीमपुर, नगांव, होजाई, जिलों में कई सड़कें, पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं, डिमा हसाउ जिले में बाढ़ से रेलवे लाइन बह गई। कई स्टेशनों पर पटरियां जलमग्न हो गई हैं। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से पटरियों के नीचे की जमीन धंस गई और पटरियां हवा में झूलने लगीं।

देश की खराब आर्थिक हालात को लेकर सड़क पर उतरे लोग

शपथ लेने के बाद एक्शन में प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे

श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों की हिफाजत करेगी सरकार, 'गोटा गो गामा' के लिए बनाई कमेटी

संवाददाता / नई दिल्ली

भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी। जबरदस्त संकट की मार झेल रहे पड़ोसी देश श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के लिए यह ताज कांटो भरा है। उन्होंने शपथ लेने के बाद भारत से बेहतर संबंधों की बात की है। इससे पहले प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफा देते ही वहां राजनीतिक संकट खड़ा हो गया था। पड़ोसी देश का मामला होने के चलते भारत सरकार भी लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है।

खास बातें

- विक्रमसिंघे ने शपथ लेने के बाद भारत से बेहतर संबंधों की बात कही
- पड़ोसी देश श्रीलंका के हालातों पर भारत सरकार की लगातार नजर

'गोटा गो गामा' पर जारी है प्रदर्शन

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे ने देश की व्यावसायिक राजधानी कोलंबो में 'गोटा गो गामा' विरोध स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समिति नियुक्त की है। बता दें कि, 'गोटा गो गामा' वो जगह है, जहां पिछले काफी समय से श्रीलंका में लोग देश की खराब आर्थिक हालात को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

विक्रमसिंघे की कैबिनेट में चार मंत्री हुए शामिल

प्रधानमंत्री विक्रमासिंघे ने अपने मंत्रिमंडल में चार मंत्रियों को शामिल किया है। मंत्रिमंडल में जीएल पेरिज को विदेश मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। खबर के अनुसार दिनेश गुणवर्धने को लोक प्रशासन मंत्री, प्रसन्ना रणतुंगा को शहरी विकास एवं आवास मंत्री और कंचना विजेसेकारा को बिजली एवं ऊर्जा मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। पेरिज महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार में भी विदेश मंत्री थे। यह राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा घोषित सर्वदलीय अंतरिम सरकार में शामिल किए गए सभी चारों मंत्री राजपक्षे की श्रीलंका पोदुजाना पुरमुना पार्टी (एसएलपीपी) से हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

नए चेहरों को मौका: राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस का यह नया फॉर्मूला नहीं बैठेगा फिट! चिंतन शिविर में लिया गया था फैसला

नई दिल्ली। नव संकल्प चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी की पहली परीक्षा अगले दो माह में होने जा रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में राज्यसभा की सीटों पर चुनाव होना है। ऐसे में लगातार सवाल उठ रहा है कि युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए जो 50 वर्ष से कम आयु वालों को टिकट देने का निर्णय किया है। क्या वह आगामी राज्यसभा चुनावों में लागू हो पाएगा या फिर केवल घोषणा बनकर रह जाएगा। हालांकि दूसरी तरफ उच्च सदन में जाने के लिए कांग्रेस वरिष्ठ नेताओं की लंबी सूची भी तैयार है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अमर उजाला से चर्चा में कहा कि चिंतन शिविर को लेकर यह चर्चा थी कि पार्टी के वरिष्ठ नेता अपनी अंतरात्मा की आवाज पर बोलेंगे लेकिन शिविर में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसकी एक वजह यह है कि राज्यसभा सीटों के टिकट जल्द ही आलाकमान से फाइनल होने वाले हैं। इसलिए जी-23 के नेताओं की आवाज शिविर में सुनाई नहीं दी। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व नए चेहरों को मौका देने के पक्ष में नजर आ रहा है। पार्टी नेताओं के लिए सभी स्तरों पर संगठन में पदों पर रहने और चुनाव लड़ने के लिए एक आयु सीमा तय कर सकती है। इसके अलावा नेतृत्व राज्यसभा सदस्यों के लिए एक कार्यकाल की सीमा तय करने पर भी गंभीरता से विचार कर रहा है। यह विचार पार्टी को युवा रूप देने के प्रयास का हिस्सा है। वरिष्ठ पत्रकार रशीद किदवई कहते है कि राजनीतिक दलों का कोई भी प्रयास चुनावों में जीत हासिल करने के लिए होता है। इसमें उम्र की सीमा तय करना बेमानी होती है। कोई भी व्यक्ति जो पार्टी को चुनाव में जीत दिला सके वही इसका एकमात्र मापदंड है। जहां तक बात राज्यसभा सीटों के चुनाव की है, तो इसमें बड़ी उम्र के अनुभवी और विद्वान लोगों की आवश्यकता होती है। जो लोग चुनाव नहीं लड़ सकते या चुनाव जीत नहीं सकते है, उन्हें ही उच्च सदन के रास्ते संसद में भेजा जाता है। जहां तक राज्यसभा सीटों का सवाल है, तो यह कांग्रेस के लिए एक अनार और सौ बीमार वाला मसला है। कांग्रेस इन सीटों पर 50 से कम उम्र वालों को नेताओं को भेजती है तो पार्टी के भीतर नया विद्रोह शुरू हो जाएगा। इसलिए 50 से कम वाला फॉर्मूला यहां फीट नहीं बैठ पाएगा। ऐसे में पार्टी को युवाओं को लोकसभा और विधानसभा के चुनाव मैदान में उतारना चाहिए।

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर तीर्थ यात्रियों की बस पलटी

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर बछेलीखाल के समीप वारघाम यात्रा से लोट रही बस सड़क पटल गई, जिसमें छह यात्री चोटिल हो गये। बस में सभी यात्री महाराष्ट्र के थे। देवप्रयाग थानाप्रभारी देशराज शर्मा ने बताया कि यात्री बस में तकनीकी खराबी के कारण बस चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क पलट गई। रविवार सांय करीब सवा पांच बजे देवप्रयाग से ऋषिकेश की ओर 16 किमी आगे बछेलीखाल के पास बदरीनाथ धाम से ऋषिकेश की ओर जा रही यात्री के पलट जाने से उसमें सवार छह चोटिल हो गये। घायल यात्रियों को 108 एंबुलेंस सेवा से मौके पर ही उपचार देने के बाद पुलिस द्वारा सभी यात्रियों को अन्य वाहनों के जरिये ऋषिकेश रवाना कर दिया गया।

डेटा ड्रग रेगुलेटर को जल्द सौंपेगी

जेनोवा ने ट्रायल प्रोटोकॉल के उल्लंघन के आरोपों को नकारा

संवाददाता / पुणे

जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स की पहली देसी एमआरएनए वैक्सीन कोरोना को लेकर स्वास्थ्य उद्योग में गेम-चेंजर के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन, इस वैक्सीन को नैदानिक परीक्षण प्रोटोकॉल के उल्लंघन के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। आरोपों के लिए जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने नैदानिक परीक्षण से संबंधित प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया है और उत्पाद अनुमोदन के लिए सभी आवश्यक डेटा ड्रग रेगुलेटर को जल्द सौंपेगी। कंपनी पर आरोप है कि उसने क्लिनिकल परीक्षण के

दौरान कुछ परिवर्तन किए हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि एमआरएनए जैसी वैक्सीन नवीन तकनीकों का उपयोग कर तैयार की गई है। नियामक पूर्व-नैदानिक अध्ययन से लेकर तीसरे चरण के परीक्षणों तक शुरू होने वाले विभिन्न चरणों के दौरान डेटा की लगातार समीक्षा करते हैं और स्पष्टीकरण मांगते हैं।

ईरान में रोटी के पड़े लाले

आटे की कीमतों में 300 फीसदी का उछाल, सड़कों पर जनता

संवाददाता / नई दिल्ली

ईरान के कई शहरों में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। देश के दक्षिण-पश्चिम में प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। पिछले हफ्ते आयातित गेहूं के लिए राज्य सब्सिडी में कटौती के बाद ईरान में विभिन्न प्रकार के आटा-आधारित खाद्य पदार्थों की कीमतों में 300% तक की बढ़ोतरी हो गई है। इसको लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की सरकार ने खाद्य तेल और डेयरी उत्पादों जैसे बुनियादी सामानों की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। ईरान के उत्तरी शहर रश्त, मध्य शहर फरसान और

उत्तरपूर्वी शहर नेशाबुर में विरोध प्रदर्शन हुए। सांसद अहमद अवाई ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान के तेल उत्पादक शहर डेजफुल में रैलियों के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। सुरक्षा बलों द्वारा अनुमानित 300 लोगों को तितर-बितर किया गया और 15 को गिरफ्तार किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में गरीबों की बस्तियों पर बुलडोजर नहीं चलाने देंगे विधायक मैथानी, मकान गिराने के खिलाफ विधायक ने दिया गरीबों को भरोसा

- सिंचाई विभाग की नोटिस के खिलाफ सैकड़ों पहुंचे विधायक के पास
- मकान नहीं गिराने के भरोसे से गदगद गरीबों ने की विधायक सुरेन्द्र मैथानी की जयकार

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां सिचाई विभाग की जमीन पर सालों से रह रहे सैकड़ों गरीब अब बुल्डोजर चलने की नोटिस दिये जाने से बहुत भयभीत हैं। इस समस्या को लेकर वह गोविन्द नगर के विधायक सुरेन्द्र मैथानी के पास पहुंचे। जहां विधायक मैथानी ने उन्हें मकान नहीं गिराये जाने का पक्का भरोसा भी दिया। इससे गदगद हुए गरीबों ने विधायक सुरेन्द्र मैथानी की जमकर जय जयकार भी की। कुल मिलकर संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक मत प्रतिशत से विजई होने के रूप में गोविंद नगर से दूसरी बार विधायक चुने गए सुरेंद्र मैथानी पहले की ही तरह समस्याओं के खिलाफ और जनता के हित में पूर्ण रूप से लगातार सक्रिय हैं। और उनके पास अपनी समस्या लेकर जो भी आता है वह उसके निस्तारण होने के रूप में खुश होकर ही जाता है। अपने गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के साथ ही व्यक्तिगत तौर पर भी लोगों की समस्याओं के निस्तारण के प्रति विधायक सुरेंद्र मैथानी का यह समर्पण कोई नया नहीं है। वह जब विधायक नहीं थे। केवल जिला अध्यक्ष भाजपा के रूप में ही पार्टी की सेवा कर रहे थे। तब भी वह इसी तरह से जनसमस्याओं के निस्तारण में अपनी अहम भूमिका निभाकर जनता के बीच लोकप्रिय थे और जब इसके बाद उपचुनाव में वह गोविंद नगर के विधायक बन गए तो अधिकार संपन्नता वाली उनकी विधायकी ने उन्हें पहले से और भी ज्यादा सक्रिय कर दिया, जिसका परिणाम यह हुआ कि सब कुछ ऐतिहासिक जैसा रहा। वह चाहे विकास का मामला हो या फिर अन्य जन समस्याओं के निस्तारण का। 2022 का विधानसभा चुनाव संपन्न होने तक विधायक सुरेंद्र मैथानी इन सबमें अव्वल ही साबित हुए और जिससे पैदा हुए भारी जन स्नेह ने उन्हें कानपुर में सर्वाधिक मतों से गोविंद नगर का दोबारा विधायक भी बनवा दिया, जिसके बाद उन्होंने पहले की ही तरह लोगों

की समस्याओं का निस्तारण करने का सफल अभियान शुरू कर रखा है। जनहित के प्रति उनकी कर्तव्य निष्ठा के पूर्ण समर्पण का सहज अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विधायक सुरेंद्र मैथानी एडवोकेट आम जनता को अपनी समस्याओं के खिलाफ प्रतिदिन आमंत्रित करते हैं। इसमें उनका मनोभाव एक विधायक का ना हो कर बल्कि जनता के वास्तविक सेवक के रूप को प्रमाणित करता है। इसी क्रम में उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नहर कोठी नौरैया खेड़ा के पास नहर के ऊपर चौपाल लगा करके आम गरीबों एवं जरूरतमंदों की समस्याओं के निराकरण के लिए उनको सुना जो समस्याएं आई मौके से ही संबंधित विभाग/ अधिकारी से वार्ता कर दूर कराने का प्रयास किया। चौपाल में मुख्य रूप से बस्ती वालों ने सिंचाई विभाग के द्वारा बस्तियों को गिराए जाने की चस्पा की गई नोटिसो पर आक्रोश व्यक्त किया।विधायक ने मौके से ही सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता मोहम्मद यासीन से टेलीफोन से बात कर उनको इस संबंध में फटकारा और कहा जिन बस्तियों में वर्षों पुराने रोड, नाली, खड़ंजा, मार्ग प्रकाश, बिजली के कनेक्शन, पानी के कनेक्शन, सीवर लाइन, सारी कुछ व्यवस्थाएं पूर्ण है, उन पर अब इस तरह का प्रश्न उठाने का क्या औचित्य है? ऐसे लोगों को नोटिस देना बिल्कुल अनुचित है। विधायक ने सिंचाई विभाग के मोहम्मद यासीन से सार्वजनिक रूप से टेलीफोन पर बात करके कहा कि शाशनादेश को पढ़ लें,क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी गरीब के मकान पर बुलडोजर नहीं चलेगा। बुलडोजर अपराधियों के लिए, भू माफियाओं के लिए, भ्रष्टाचारियों के लिए और गुंडों के लिए है। अतः हम अपने विधानसभा क्षेत्र में, उसका अनुपालन कराएंगे। उन्होंने कहा कि गरीब के मकान पर, किसी भी कीमत पर, मेरी विधानसभा क्षेत्र में, बुलडोजर नहीं चलेगा। याद रहे कि बीते उप चुनाव में गोविंद नगर से विधायक चुने जाने के बाद कठोर परिश्रम के साथ बहुत समर्पित भाव से जन सेवा में लगातार जुटे रहे तेजतर्रार और व्यवहार कुशल भारतीय जनता पार्टी से दूसरी बार चुने गए विधायक सुरेंद्र मैथानी एडवोकेट को गोविन्द नगर विधान सभा क्षेत्र की बिजली ,पानी ,सीवर, सड़क आदि से जुड़ी समस्याओं को हल करने में बहुत महत्वपूर्ण पूर्ण और अभूतपूर्व सफलता भी मिली है। लगातार जुझारू संघर्ष में भी पीछे नहीं रहे हैं। और जनहित में उनका यह संघर्ष लगातार जारी भी है। इस तरह से किसी भी राजनीतिक दल के व्यक्ति के चुनाव हारने और जीतने के कारणों को दृष्टिगत रखते हुए आम जनता को ईश्वर, अल्लाह और गॉड मानकर यही कहा जा सकता है कि - जो जनहित में कदम बढ़ाता निश्चय ईश कृपा भी पाता। जो परहित ना कदम बढ़ाए। वह निश्चय ढक्कन हो जाए। उक्त चौपाल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक सुरेंद्र मैथानी, नगर पार्षद दीपक सिंह, एवम अभिनव दीक्षित, अखिलेश पांडे, बीएन तिवारी, लल्लन सिंह, मंजू तिवारी, बड़कऊ, आदि प्रमुख आमजन मौजूद थे।

ग्राम में फैली गंदगी को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त पनप रहा आक्रोश

मुंबई हलचल / अरमान उल हक

सम्भल। जनपद संभल के विकासखंड पबांसा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पैतिया में गांव की साफ सफाई ना होने के कारण नालों का पानी सड़कों पर उतर रहा है। और गांव में काफी गंदगी पनप रही है। गंदगी को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगातार साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।स्वच्छ भारत मिशन योजना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गांव में सामुदायिक शौचालयो का निर्माण भी कराया गया है। सामुदायिक शौचालय पर टेकरों की व्यवस्था भी की गई है। साफ सफाई के लिए जिस से कि ग्रामीणों को सोच के लिए बाहर जाना ना पड़े उत्तर प्रदेश सरकार विकास के लिए हर संभव प्रयास है। लेकिन सचिव की लापरवाही के चलते सामुदायिक शौचालय पूर्ण नहीं हो पाए हैं। जिसको लेकर जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को आदेशित कर दिया गया है। सफाई कर्मचारी एवं प्रधान तथा सचिव की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा खामियाजा। स्वच्छ भारत मिशन योजना को लापरवाह सचिव के कारण पलीता लगाया जा रहा है। जानकारी के लिए जब ग्राम पंचायत अधिकारी अजीत कुमार से जब गांब फैली गंदगी के बारे में पूछा गया तो बेतुका बयान देते हुए यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि गांव में किसी प्रकार की कोई गंदगी नहीं है जबकि फोटो स्पष्ट बयां कर रहे हैं कि सड़कों में गड्ढे हैं या गड्ढों में पानी अब देखना होगा कि लापरवाह सचिवो पर जिला प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

फ्रिज के करंट लगने से एमबीबीएस छात्र की मौत, दूसरा भाई झुलसा

संवाददाता/अरमान उल हक

सम्भल। सदर कोतवाली के ग्राम सैफ खां सराय सोमवार सुबह बिजली की चपेट में आने से एक एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई जबकि दूसराभाई घायल हो गया। सैफ खां सराय निवासी समाजसेवी मेहंदी हसन के घर में यह हादसा हुआ मृतक के भाई हिलाल मेहंदी ने बताया कि उनके घर में रखे फ्रीज में अचानक करंट आ गया। फ्रिज को छूते ही एमबीबीएस छात्र अदील मेहंदी को बिजली का जोरदार झटका लगा। बहन दौड़कर पहुंचीं तो उनकी चीख निकल गई। वहां मौजूद दूसरे भाई ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी फ्रीज में आ रहे करंट की चपेट में आ गया जिससे वह भी झुलस गया। युवा एमबीबीएस छात्र की मौत से गांव में

मातम छा गया। छात्र की मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इधर बच्चे का शव देख माता-पिता जहां सदमे में हैं, वहीं पूरे गांव में मातम पसर गया है। स्थिति यह थी कि परिवार वालों को यह विश्वास ही नहीं हो रहा था कि अब उनका सबसे होनहार बेटा एमबीबीएस का छात्र नहीं रहा। सोमवार शाम 5:00 बजे गमगीन माहौल में परिजनों ने छात्र को सुपुर्द ए खाक कर दिया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मर में कुछ खराबी आ गई थी, जिससे कई घरों के बिजली का पावर इतनी तेज पहुंचा, कि इलेक्ट्रोनिक आइटम शॉर्ट सर्किट होने से खराब हो गए. वहीं मेंहदी हसन के घर में रखे फ्रिज में करंट आने से बड़ा हादसा हुआ।

नौबस्ता में दो के बाद कानपुर के संजय वन में में भी मिली युवक की लाश

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में युवाओं की हत्या के बाद उनकी लाशें मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में किदवई नगर थाना क्षेत्र के संजय वैन में भी एक युवक की संयुक्त हालत में लाश बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार बरामद की गई लाश नौबस्ता थाना क्षेत्र में रहने वाले 32 साल के सूबेदार दिवाकर की है। घटना के पहले वी अपने दोस्त से मिलने की बात कह कर घर घर से निकाला था इसी के बाद उसकी लाश किदवई नगर थाना क्षेत्र के संजय वन में पाई गई। पुलिस के अनुसार मौत की वजह जानने के लिए उसे की पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही अगली कार्रवाही की जाएगी। पुलिस के मुताबिक घटना की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है इस बारे में गहन छानबीन भी लगातार जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ट्रैंड में आया Chrome Nail Art, क्या आपने किया ट्राई?

आपने क्रोम नेल आर्ट के बारे में सुना ही होगा। अगर आपको भी फैशन के साथ चलना और अपडेट रहना पसंद है तो आपको इस क्रोम ट्रैंड के बारे में जरूर पता होना चाहिए। क्रोम नेल्स काफी अट्रैक्टिव लगते हैं, जिनसे आप अपने हाथों की खूबसूरती को और भी निखार सकती हैं। अब क्रोम सिर्फ मेटैलिक सिल्वर तक ही सीमित नहीं रहा है। अब इसमें कॉपर, बीज, गोल्ड और शैंपेन लुक शेड भी आते हैं। सिल्वर और ब्लैक सबसे ज्यादा क्लासिक क्रोम कलर है।

➤होलोग्राफिक कलर

चमक, रंग और स्टाइलिश होने के कारण होलोग्राफिक क्रोम को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस तरह के नेल्स पाने के लिए मार्कीट में होलोग्राफिक सैलोफिन और फॉइल जैसे अनेक उपकरण मौजूद है।

➤पिंक क्रोम नेल्स

यह रंग तो लड़कियों का पसंदीदा रंग है। साथ ही यह रंग किसी भी तरह के आऊटफिट के साथ जंच जाता है। अपने रैगुलर पिंक नेल पेंट को क्रोम ग्लिटरी के साथ अपडेट जरूर करें।

➤रोज गोल्ड

रोज गोल्ड क्रोम नेल्स काफी क्लासी लुक देते हैं और इन्हें आप किसी भी मौके पर करवा सकती हैं। इसमें स्टोंस का 3-ऊ इफैक्ट भी बहुत बढ़िया लुक देगा।

➤आंब्रे क्रोम

अगर आप गोल्ड और सिल्वर में से किसी को नहीं चुन पा रही हैं तो आपको आंब्रे ट्राई करना चाहिए गोल्ड के साथ शुरू करके फिर नाखूनों के टॉप पर सिल्वर रंग किया जाता है। किसी भी मौके पर आप यह स्टाइल करवा सकती हैं।

➤कॉपर क्रोम

सभी क्रोम कलर्स में यह रंग सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। कॉपर क्रोम पर बहुत ज्यादा मेहनत लगती है लेकिन बनने के बाद यह बहुत खूबसूरत लगता है। शीशे की तरह चमकता हुआ यह रंग आपके आसपास की हर चीज को फीका कर देगा। आप इसे हर तरह के तथा हर रंग के आऊटफिट के साथ करवा सकती हैं।

➤मेटैलिक कलर विद राइनस्टोंस

अगर ग्लैमर्स दिखने की तमन्ना हो तो आपको मेटैलिक क्रोम कलर विद राइनस्टोंस अपनाना चाहिए। इसमें रैड क्रोम में सिल्वर और सजावट के लिए कुछ राइनस्टोंस का यूज किया जाता है तो नेल्स की खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देता है।

➤मेटैलिक ब्लू

ब्लू नेल पेंट के बेस पर छोटे समुद्री जीवों के स्टिकर्स चिपकाएं जाते हैं, जो देखने में काफी खूबसूरती और अट्रैक्टिव लगते हैं। आप इसे किसी भी पार्टी या थीम के साथ मैच कर सकती हैं। जब आप नीले रंग की ड्रैस पहनें तो भी इसे ट्राई कर सकती हैं।

➤होलोग्राफिक टिप

अगर आप बिना कोई ज्यादा मेहनत किए क्रोम नेल्स लुक पाना चाहती हैं तो आपको होलोग्राफिक टिप करवाना चाहिए। इस प्रक्रिया में आपके नेल्स को ट्रांसपेरैंट बेस से ढका जाता है और नेल्स के टिप पर 3-ऊ ग्लिटर लगाई जाती है। कम मेहनत में परफैक्ट लुक पाने का सूयह सबसे बढ़िया तरीका है। इसे बनवाते समय अपने हाथों को बिल्कुल सीधा रखें तभी परफैक्ट बन पाएगा।

इन 6 कारणों से झड़ते है आपके बाल, जानिए क्या है इसकी रोकथाम

मौसम कोई भी हो, अक्सर महिलाओं में झड़ते बालों की समस्या पाई जाती हैं। झड़ते हुए बाल सोने के तकिए से लेकर कमरे, बाथरुम हर जगह गिरे हुए मिलते है। रिसर्च की माने तो एक दिन में 80 स्ट्रैंड्स का खोना आम बात है, लेकिन जब यह वापस नहीं बढ़ते है तो यह एक समस्या हो सकती हैं। बाल झड़ने के कई कारण हो सकते है लेकिन महिलाओं में आमतौर पर ये छह कारण पाए जाते है। आईए जानते है क्या है ये 6 कारण और इनकी रोकथाम।

आहार में बदलाव

अगर आप अपने आहार में परिवर्तन कर रहे है या कैलोरी को कम कर रहे है तो बाल झड़ सकते हैं। कई बार आहार में परिवर्तन करने से हमारे भोजन में से पोषण खत्म हो जाता हैं। अधिकतर लोगों को प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम प्रोटीन खाना चाहिए। अक्सर प्रोटीन की कमी के कारण बाल झड़ने लगते हैं।

विटामिन की कमी

अगर बॉडी में विटामिन बी 12 या डी की कमी है तो आपके बाल झड़ सकते है। यह बालों के विकास के साथ स्वस्थ खोपड़ी में भी मदद करते हैं। बी 12 के मांस या डेयरी प्रोडेक्ट और विटामिन के लिए डॉक्टर से बात करके मल्टीविटामिन और डाइट में फ्रूटस शामिल करें।

गर्भनिरोधक गोलियां

अगर आपने अपनी प्रेग्नेंसी रोकने या जो गोली ले रही है उसमें परिवर्तन किया है तो यह आपके बालों के प्रभावित कर सकता हैं। इन गोलियों में प्रोजेस्टेरोन पाया जाता है जो कि बाल झड़ने की समस्या को बढ़ाते हैं। गर्भनिरोधक गोलियों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से जरुर विचार करें।

प्रेगनेंसी

इस अवस्था के दौरान महिलाओं में अक्सर कई तरह के हार्मोनल परिवर्तन पाए जाते हैं। जिसमें बाल भी झड़ने लगते हैं। 3 से 4 महीने बाद यह सामान्य हो जाता हैं।

हेयल स्टाल

कई बार हम अपने बालों के साथ विभिन्न तरह के हेयर स्टाइल बनाते है। लेकिन इसमें पोनी टेल या टाइट पोनी होती है। इससे हमारे बालों की जड़े कमजोर हो कर टूटने लगती हैं। इसलिए कोशिश करें की आप अपने बालों को कोमल तरीके से रखें।

हेयर ट्रीटमेंट

आजकल लेडीज अपने बालों को लेकर की तरह के ट्रीटमेंट और एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपने बालों के नेचुरल कलर को चेंज कर अलग अलग तरह के कलर करवा लेती हैं। इन कलर को फिका होने से बचाए रखने के लिए विभिन्न तरह के रसायनिक प्रादर्थों का इस्तेमाल किया जाता हैं।

चेहरे के दाग-धब्बों और मुहांसों से छुटकारा दिलाएंगे ये घरेलू नुस्खे

मुंहासे तब होते हैं जब चेहरे पर तेल की ग्रंथियां जम जाती हैं जिसकी वजह से सूजन और लाल घाव हो जाते हैं जो मवाद से भरे होते हैं। इन घांवों पर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये काले दाग-धब्बों का रुप ले लेते हैं। जिसकी वजह से चेहरे की खूबसूरती काफी हद तक कम हो जाती है। तो चलिए आज इन दाग धब्बों से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से घरेलु टिप्स के बारे में आपको बताएंगे...

➤चंदन पाउडर और नींबू का रस

एक बड़ा चम्मच चंदन पाउडर लें। अगर पाउडर न आपके पास न हो तो चंदन की लकड़ी को पत्थर पर हल्का गीला करके घिस लें। उस पर कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को अपने दाग धब्बों वाली जगह पर लगाएं। आप चाहें तो इस पैक को अपने पूरे चेहरे पर भी लगा सकती हैं। पैक के सूखने पर ताजे पानी से अपना मुंह धो लें। हफ्ते में ऐसा 2 बार करने पर चेहरे के दाग-धब्बे कुछ ही दिनों में दूर होने लग जाएंगे।

➤चंदन पाउडर और गुलाब जल

चंदन पाउडर में एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच हल्दी पाउडर मिला लें। हल्दी में एंटी-सेप्टिक गुण होता है। जो चेहरे के दाग-धब्बों को दूर कर चेहरे की रंगत को भी निखारते हैं। गुलाब जल चेहरे को नमी मिलती है साथ ही फेस फ्रेश रहता है। अगर आपका चेहरा ड्राई है तो गुलाब जल की जगह कच्चे दूध का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

➤लौंग का तेल भी करता है दाग-धब्बे दूर

लौंग के तेल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफलेमेटरी तत्व पाए जाते हैं, जिसकी मदद से आप प्राकृतिक रूप से एक्ने का उपचार कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त लौंग का तेल मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करता है साथ ही स्किन में मौजूद रेडनेस और सूजन को भी दूर करता है।

➤मुहांसों को छुएं नहीं

असल में मुहांसे दाग तब छोड़ते हैं जब हम इन्हें हाथ से फोड़ने की कोशिश करते हैं। पिंपल को पिचकाने या फोड़ने से इंफेक्शन हो जाने के खतरा होता है। दरअसल, छूने या फोड़ने से हाथों और हवा में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया त्वचा के अंदर प्रवेश कर जाते हैं, जहां संख्या बढ़ाकर ये बैक्टीरिया इंफेक्शन पैदा कर सकते हैं। अगर आपको पिंपल वाली जगह पर दर्द या फिर खारिश हो रही हो तो उन पर नारियल का तेल, ऐंटिसेप्टिक क्रीम या तुलसी और नीम के रस को इस पर हल्के हाथों से लगाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

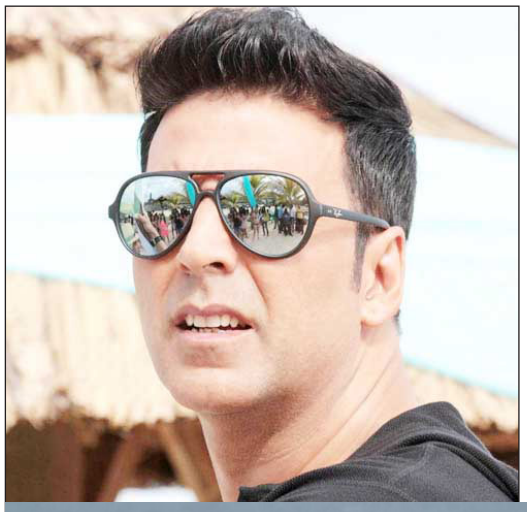

'पृथ्वीराज' शैक्षणिक फिल्म है, स्कूलों में दिखाई जानी चाहिए : अक्षय कुमार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने सोमवार को कहा कि उनकी आने वाली फिल्म 'पृथ्वीराज' को स्कूलों में दिखाना अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस फिल्म का लेखन व निर्देशन चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है और अक्षय कुमार ने इसमें पृथ्वीराज की भूमिका निभाई है। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के मौके पर 54 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि उन्होंने 'पृथ्वीराज रासो' किताब के जरिए पृथ्वीराज के जीवन और उस काल के बारे में जाना है और यह अनुभव किया कि लोग कितना कम इस शासक के बारे में जानते हैं। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, मुझे डॉ.साहब (द्विवेदी) ने 'पृथ्वीराज रासो' किताब पढ़ने के लिए दी थी। मैंने धीरे-धीरे किताब पढ़ी और अनुभव किया कि वह कितने बड़े योद्धा थे। लेकिन जब हम इतिहास में उनके बारे में पढ़ते हैं तो उन्हें एक पैराग्राफ तक सीमित पाते हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वीराज' को 'एक शैक्षणिक फिल्म' कहना गलत नहीं होगा और उन्होंने उम्मीद जताई की युवा पीढ़ी इतिहास को बेहतर तरीके से समझने के लिए इस फिल्म को देखेगी।

गणेश आचार्या व निर्देशक मनोज शर्मा की डांस बेस्ड फिल्म देहाती डिस्को में एक्ट्रेस मिनी बंसल भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस मिनी बंसल अब 27 मई को रिलीज होने वाली डांस और म्यूजिक पर बेस्ड फिल्म देहाती डिस्को में नजर आएंगी। निर्देशक मनोज शर्मा के साथ शर्मा जी की लग गई और खली बली जैसी कई फिल्मों में काम कर चुकी मिनी बंसल का इसमे गेस्ट रोल है जिसको लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म के ट्रेलर और गानों को बड़ा अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मिनी बंसल ने कहा कि यह फिल्म वेस्टर्न डांस और देसी नृत्य के बीच मुकाबले पर आधारित है। प्रोड्यूसर्स गितेश चन्द्रकर, वसीम कुरैशी और कमल किशोर मिश्रा द्वारा निर्मित फिल्म देहाती डिस्को में कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की मुख्य भूमिका है साथ ही सक्षम शर्मा की भी अहम भूमिका है। साहिल एम खान को भी देहाती डिस्को में इंट्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म के निर्देशक मनोज शर्मा के साथ वर्किंग एक्सपीरियंस के बारे में मिनी बंसल ने कहा कि मनोज शर्मा जी बड़े सुलझे हुए निर्देशक हैं, चूंकि वह लेखक और एडिटर भी हैं इसलिए तकनीकी पहलुओ पर उनकी गहरी नजर रहती है। देहाती डिस्को भारतीय सभ्यता संस्कृति और देसी डांस के साथ हमारी लोक कलाओं की बात करती है। कुरैशी प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और वन एंटरटेनमेंट फिल्म प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी देहाती डिस्को में गणेश आचार्य, रवि किशन, सुपर डांस चैप्टर 3 के फाइनलिस्ट सक्षम शर्मा, साहिल एम खान, मनोज जोशी, राजेश शर्मा, पंकज बेरी सहित कई कलाकारों ने अहम किरदारों को निभाया है। देहाती डिस्को 27 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

समांथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा अभिनीत फिल्म 'खुशी' दिसंबर में होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर कलाकार समांथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा अभिनीत फिल्म 'खुशी' 23 दिसंबर 2022 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक शिवा निरवाना हैं और इसका निर्माण 'मैत्री मूवी मेकर' के बैनर तले किया गया है। निर्माण कम्पनी ने सोमवार को ट्विटर पर फिल्म का पहला 'मोशन पोस्टर' साझा किया और इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा की। कम्पनी ने ट्वीट किया, फिल्म 'खुशी' 23 दिसंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी। इससे पहले समांथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा 2018 में आई तेलुगू फिल्म 'महानती' में भी साथ नजर आ चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने वेब सीरीज 'सिटाडेल' की शूटिंग शुरू की

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंच 'अमेजन स्टूडियो' की आगामी वेब सीरीज 'सिटाडेल' की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रियंका ने 'इंस्टाग्राम' पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'काम पर लौट आई हूं... #सिटाडेल।' 'सिटाडेल' का निर्माण इटली, भारत और मैक्सिको में स्थानीय निर्माण कंपनियां करेंगी। भारत में मशहूर सीरीज 'द फैमिली मैन' के निर्देशक राज निदिमोरु और कृष्णा डीके इसके निर्माण का जिम्मा संभाल रहे हैं। इससे पहले, सोमवार को प्रियंका ने अपने प्रशंसकों को बताया था कि 100 से अधिक दिनों तक नवजात गहन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में रहने के बाद उनकी बेटी घर लौट आई है। प्रियंका और अमेरिकी गायक निक जोनस ने दिसंबर 2018 में शादी की थी। इस साल जनवरी में उन्होंने सरोगेसी के जरिये अपनी बेटी के जन्म की जानकारी साझा की थी।